साहित्य अमृत

मासिक

वर्ष-२१ अंक-१२ ❖ पृष्ठ ८८ | आषाढ-श्रावण, संवत्-२०७३ | जुलाई २०१६

संस्थापक संपादक

स्व. पं. विद्यानिवास मिश्र

❖

पूर्व संपादक

स्व. डॉ. लक्ष्मीमल्ल सिंघवी

❖

संपादक

त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी

❖

प्रबंध संपादक

श्यामसुंदर

❖

संयुक्त संपादक

डॉ. हेमंत कुकरेती

❖

कार्यालय

४/१९, आसफ अली रोड,
नई दिल्ली-११०००२
फोन : २३२८९७७७ • फैक्स : २३२५३२३३
इ-मेल : sahityaamrit@gmail.com

❖

शुल्क

एक अंक —₹ ३०
वार्षिक (व्यक्तियों के लिए)—₹ ३००
वार्षिक (संस्थाओं/पुस्तकालयों के लिए)—₹ ४००
विदेश में
एक अंक—चार यू.एस. डॉलर (US$4)
वार्षिक—पैंतालीस यू.एस. डॉलर (US$45)

❖

प्रकाशक, मुद्रक तथा स्वत्वाधिकारी श्यामसुंदर द्वारा
४/१९, आसफ अली रोड, नई दिल्ली-२
से प्रकाशित एवं ग्राफिक वर्ल्ड, १६८६,
कूचा दखनीराय, दरियागंज, नई दिल्ली-२ द्वारा मुद्रित।

❖

साहित्य अमृत में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार एवं दृष्टिकोण संबंधित लेखक के हैं। संपादक अथवा प्रकाशक का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है।

इस अंक में

संपादकीय

गजेटियरों का पुनर्लेखन··· ४

प्रतिस्मृति

शिष्टाचार/ *भीष्म साहनी* ८

कहानी

मोगरा महकता रहा/ *रजनी मोरवाल* १४
वृद्धाश्रम/ *शालिनी गोयल* २४
नाम में क्या रखा है/ *कविता विकास* ३०
शिद्दत-ए-एहसास/ *रीता गुप्ता* ३९
चिराग जो बुझ गए/ *रघुराज सिंह कर्मयोगी* ५८
क्षितिज के उस पार/ *क्षमा चतुर्वेदी* ६९

आलेख

मेस आयनाक : भारत को पुकारते बौद्ध अवशेष/ *कादंबरी मेहरा* ११
स्वातंत्र्य समर के अमर सेनानी लोकमान्य तिलक/ *विभा सिंह* २२
गाजीपुर में स्वामी विवेकानंद/ *संजय कृष्ण* ५०

लघुकथा

चपाती की संवेदना/ *सत्य शुचि* ६५

कविता

बेबसी, बेचारगी हो···/ *पूनम माटिया* १०
कैसी है यह दुनिया/ *सुधेश* २०
धरती भी तो माँ है/ *हरीतिमा* २१
नदी सा कर दे/ *कल्पना पांडेय* २६
क्योंकि तुम ही हो/ *शैलेंद्र कुमार भाटिया* ३५
तुम जाने-पहचाने/ *भीम प्रसाद प्रजापति* ४१
आह बुरी निर्धन की बच/ *निर्मल विनोद* ४२
दर्द बाँट लो/ *तन्वी सिंह* ५७
फिर एक महाभारत रच दो/ *लक्ष्मी रूपल* ६८
वन-महोत्सव दिवस/ *इंद्रा रानी* ७१

व्यंग्य

जन्मदिन का अर्थशास्त्र/ *बजरंग लाल गुप्ता* १८
जब बने हर चौराहा गौशाला/ *हरीश नवल* २७
पर उपदेश कुशल बहुतेरे/ *सुनीता शानू* ६६

आत्म-कथ्य

उसको क्या नाम दूँ ?/ *मृदुल कीर्ति* २८

ललित-निबंध

कदंब कहाँ है/ *अजयेंद्रनाथ त्रिवेदी* ३६

राम झरोखे बैठ के

पान और पत्थर···/ *गोपाल चतुर्वेदी* ४७

साहित्य का भारतीय परिपार्श्व

राह/ *जगदीश मल्लीपुरम* ५३

पुस्तक-अंश

युद्ध और आघात/ *पैट्रिक कॉकबर्न* ६०

साहित्य का विश्व परिपार्श्व

गुलाबी मोती/ *एमिलिया पार्डो बजान* ६३

यात्रा-संस्मरण

बिताएँ वीरभूमि पर चंद दिन/ *रुक्मणी संगल* ७२

लोक-साहित्य

भोजपुरी के भारतेंदु···/ *भगवती प्रसाद द्विवेदी* ७६

बाल-संसार

आई खुशियों वाली रुत/ *फहीम अहमद* ८०

पाठकों की प्रतिक्रियाएँ ८१
वर्ग-पहेली ८२
साहित्यिक गतिविधियाँ ८३